

Wiese, Leopold von

|     |   |                 |        |    |              |
|-----|---|-----------------|--------|----|--------------|
| L.  | u. K. (arb.) G. (ustav) Specht: Synthetische Anthropologie<br>Vorträge u. Diskussionsberichte d. "Konferenz<br>zur Förderung d. verbundenen Wissenschaften<br>vom Menschen" am 27. u. 28. Sept. 1949 in<br>Mainz. Im Auftr. d. Dt. Ges. für Soziologie<br>esgest. | Bonn 1950.      | 191 S. | 8° | 60. 8° 7757  |
| SWB | Philosophie und Soziologie.   | Berlin 1959.    | 121 S. | 8° | 69. 8. 7928  |
|     | (= Erfahrung und Denken. 1.)  |                 |        |    |              |
| SWB | Die Philosophie der persönlichen Fürsorgen.   | Tübingen. 1965. | 64 S.  | 8° | 69. 8. 10604 |
|     | (= Philosophie und Geschichte. 80/81.)  |                 |        |    |              |
| SWB | Geschichte der Soziologie. 9. Aufl.   | Berlin 1971.    | 158 S. | 8° | 69. 8. 13274 |
|     | (= Sammlung Göschen. 3101.)   |                 |        |    |              |
|     | Bis 8. Aufl. in 2. T.: Wiese: Soziologie<br>(3 B. 2!)   |                 |        |    |              |
| SWB | Das Ich und das Kollektiv.  | Berlin 1967.    | 72 S.  | 8° | 69. 8. 13079 |
|     | (= Erfahrung und Denken. 21.)   |                 |        |    |              |
| SWB | Das Ich-Wir-Verhältnis.   | Berlin 1962.    | 92 S.  | 8° | 69. 8. 13081 |